



77

42

समाप्त... राजस्व अण्डन, २०१०

प्रकरण क्रमांक : - 11/07 Rv R-1725-II/07

श्री राय... को प्रस्तुत।
16.10.07
अवर सचिव
राजस्व अण्डन

विधायक पुनः समाप्त...
निर्वाचित विजयांच चौधरा तंजोर जौरा
तकानु सुरेना २०१०

आदेश

- 1- २०१० राजस्व द्वारा निर्वाचित जौरा तंजोर सुरेना २०१०
- 2- राजस्व पुनः समाप्त... निरवाचित विजयांच चौधरा तंजोर जौरा तंजोर सुरेना २०१०

अनौपचारिक

16.10.07
19-10-06

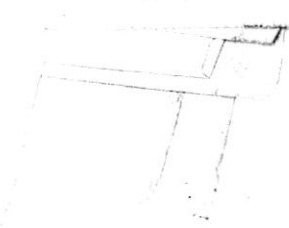
सुनरी... द्वारा 50...
11-10-2007 द्वारा जारी...
20/06-07/...

विचार...
निर्वाचित...
प्रकरण...

17/10/07
19/10/07

1- ...
... 2472 ... 48x40 ...
... जौरा ...
... सुरेना ...

...
...

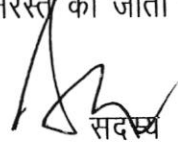


राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश—ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ
भाग—अ

प्रकरण क्र० 1725-दो/2007 निगरानी

जिला मुरैना

स्थान दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
718118	<p>पूर्व पेशी पर आवेदक के अभिभाषक एवं म०प्र०शासन के पैनल लायर को सुना जा चुका है। प्रकरण आदेश हेतु प्रस्तुत हुआ। अवलोकन किया गया। यह निगरानी अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना के प्र.क्र. 20/2006-07 विविध में पारित आदेश दिनांक 11-10-2007 के विरुद्ध म०प्र०भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 के अंतर्गत प्रस्तुत की गई है।</p> <p>2/ दोनों पक्षों के अभिभाषकों के तर्कों के परिप्रेक्ष्य में प्रकरण के अवलोकन पर पाया गया कि मौजा विलगाँव चौधरी की शासकीय भूमि सर्वे नंबर 2472 रकबा 6-16 हैक्टर के अंश भाग 48X40 वर्गफुट पर आवेदक ने अतिक्रमण कर मकान निर्माण चालू किया। अतिक्रमण की शिकायत आने पर तहसीलदार जौरा ने आवेदक के विरुद्ध प्रकरण क्रमांक 153/2006-07 अ-68 पंजीबद्ध कर कार्यवाही प्रारंभ की। तहसीलदार के इस प्रकरण को अन्य न्यायालय में हस्तांतरित करने हेतु आवेदक ने अपर आयुक्त, चंबल संभाग, मुरैना के समक्ष म०प्र०भू राजस्व संहिता 1959 की धारा 29 के अंतर्गत आवेदन दिया, जिसे अपर आयुक्त चंबल संभाग मुरैना ने आदेश दिनांक 11-10-2007 से निरस्त कर दिया। इसी आदेश से परिवेदित होकर यह निगरानी प्रस्तुत की गई है, किन्तु राजस्व मण्डल में निगरानी प्रकरण के प्रचलित रहते हुये तहसीलदार जौरा ने प्रकरण क्रमांक 153/2006-07 अ-68 में पारित आदेश दिनांक 23-10-07 से प्रकरण का अंतिम निराकरण कर दिया है जिसके कारण तहसीलदार जौरा के प्रकरण क्रमांक 153/2006-07 अ-68 को अन्यत्र न्यायालय में हस्तांतरित करने का अधार एवं औचित्य नहीं रह गया है एवं यह निगरानी अप्रचलनशील हो जाने से इसी-स्तर पर निरस्त की जाती है।</p>	


सदस्य